(37 & A-24) Seat No.:_____ No. Of Printed Pages: 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY

T.Y.B.A.(V Semester) Examination

Wednesday , 16th November-2016

10.00am - 01.00 PM

UA05CHLT11 : HINDI Paper No. XI

प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य (भाग १)

कुल गुण : ७०

सूचना: हिन्दी में शिरोरेखा देना अनिवार्य है ।

प्र: १ सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (कोई तीन) (१५)

(१) जाति न पूछो साध की, पूछ लीजिए ज्ञान ।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान ।।
हस्ती चढिए ज्ञान कौ, सहज दुलीचा डारि ।
स्वान-रुप संसार है, भूँकन दे झक मारि ।।

(२) मेरा-तेरा मनुआँ कैसे ईक होइँ रे ।
मै कहता हौं आँखिन देखी, तु कहता कागद की देखी ।
मै कहता सुरझावन हारी, तू राख्यौ उरझाई रे ।
मै कहता तु जागत रहियो, तु रहता है सोई रे ।
मै कहता निर्मोही रहियो, तू जाता है मोही रे ।
जुगन जगत समुझावत हारा, कही न मानत कोई रे ।
तू तो रंडी फिरै बिहंडी, सब धन डारे खोई रे ।
सतगुरु धारा निर्मल बाहै, वामै काया धोई रे ।
कहत कबीर सुनो भाइ साधो, तब ही वैसा होई रे।

(३) नैना अंतरि आव तूँ, ज्यों हौ नैन झँपेऊँ ।
ना हौ देखौं और कू, नाँ तुझ देखन देऊँ ।।
कबीर रेख सिंदूर की, काजल दिया न जाइ ।
नैनूँ रमइया रमि रह्या, दूजा कहाँ समाइ ।।
मन परतीति न प्रेम-रस, नाँ इस तन में ढंग ।
क्या जाणौ उस पीवसूँ, कैसै रहसी रंग ।।

(४) बिन्ध्य के बासी उदासी, तपोब्रतधारी महा बिनु नारि दुखारे ।
गौतमतीय तरी, तुलसी सो कथा सुनि भें मुनिबृन्द सुखारे ।।
है है सिला सब चन्द्रमुखी परसे पद-मंजुल-कंज तिहारे ।
कीन्ही भली रघुनायकजू ,करुना करि कानन को पगु धारे ।।

(P.T.O.)

(५) तू रजनीचरनाथ महा, रघुनाथ के सेवक को जन हौ हौ ।
बलवान है स्वान गली अपनी,तोंहि लाज न गाल बजावत सौहौ ।।
बीस भुजा दससीस हरौ न डरौ, प्रभु आयसु भंग ते जौ हौ ।
खेत में केहरि ज्यों गजराज दलौ दल, बालि को बालक तौ हौ ।।

प्रः २ 'कबीर का साहित्य समाज पर करारा व्यंग्य करता है'- स्पष्ट कीजिए । (२०)

अथवा

प्रः २ टिप्पणी लिखिए (२०)

(क) कबीर की भाषा ।
(ख) कबीर की निर्गुण भक्ति ।

प्रः ३ 'कवितावली' के कथानक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । (२०)

अथवा

प्रः ३ टिप्पणी लिखिए । (२०)

(क) 'कवितावली' का काव्यरुप ।
(ख) 'कवितावली' का सुन्दरकान्ड ।

प्रः ४
(अ) टिप्पणी लिखिए । (किन्हीं एक) (०८)
(क) कबीर की उलटबासियाँ ।
(ख) 'कवितावली' में कला सौदर्य ।

(ब) निम्नलिखित अतिलघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (किन्ही सात) (०७)
(१) कबीर निर्गुण धारा की किस शाखा के कवि थे ?
(२) कबीर के काव्य संग्रह का नाम क्या है ?
(३) अनंतवास के अनुसार कबीर किस जाति के थे?
(४) कबीर गोविंद की प्राप्ति किससे मानते है?
(५) तुलसीदास ने अपनी रचनाओं को किस भाषा में लिखा?
(६) अयोध्याकाण्ड में कुल मिलाकर कितने छंद है?
(७) कवितावली के सबसे बृहदकाण्ड का नाम बताइए ।
(८) किस कृति में तुलसीदास कवि के साथ उपदेशक भी है?
(९) तुलसी के काव्य की प्रधान विशेषता क्या है?

******

— X —